

रादि zu P. 1, 1, 37) und तम्या (vgl. त्मा), तमस्, तमि; du. तामा; pl. ताम्-मस्. तुभ्यं कृ ता अन् तत्रं मन्त्रेना मन्यत् योः RV. 4, 17, 1. द्यौर्धृष्टान्नि-मन्त्रेजत् ताः 22, 4. 1, 133, 6. अतो न ता द्वाधारे पृथिवीम् 67, 5 (3). 10, 31, 9. तां द्वाधारेपर्वरुणी कः 1, 174, 6. सुवृद्धौ वर्तते यन्मि ताम् 183, 2. 6, 18, 13. 7, 18, 6. AV. 5, 1, 5. दिवि तमा च RV. 5, 52, 3. 1, 103, 1. 10, 39, 9. तमा र्पा विष्टं नो अस्तु भेषजम् zu Boden AV. 6, 57, 3. RV. 8, 20, 26. 10, 59, 8. ÇAT. Br. 6, 7, 2. अथि तामि विष्टुष्टं यदस्ति RV. 7, 27, 3. 3, 8, 7. 10, 10, 1. 1, 23, 18. अमिष्यद्वैति तमि 8, 43, 6. 49, 7. स प्ररिक्ता त्वत्तमा त्मा दिव्यं 1, 100, 15. व्यावान्तामा 96, 5. 102, 2. 3, 8, 8. 10, 12, 1. व्यावः ता-मौ अर्नोनुवः 8, 59, 4. या ते दिव्यद्वैष्टा दिवस्पारि त्मया चरति 7, 46, 3. त्मया रेतः संज्ञमानो नि पिष्टत् 10, 61, 7. त्मया दिवः 89, 3. 5, 84, 3. 1, 35, 6. VS. 33, 92. — Identisch mit 1. तम्, indem die Erde als Bild der *Geduld* aufgefasst wird.

तमि (von 1. तम्) v. l. im gaṇa पचादि zu P. 3, 1, 134. 1) adj. f. आ; ein auf तम् ausgehendes comp. bewahrt den Ton des ersten Wortes nach P. 3, 2, 1, Vārt. 7. a) *geduldig* H. an. 2, 317. विमृश्वरौ पृथिवीमा वदामि तमा भूमिम् AV. 12, 1, 29. — b) *ertragend, aushaltend, Widerstand leistend*: क्लेशतम DRAUP. 6, 14. बहुतमा KUMĀRAS. 3, 40. वपुः तपःतमम् ÇĀK. 17. नावम् — उर्मितमाम् MBh. 1, 5639. — c) *einer Sache gewachsen, tüchtig, vermögend, im Stande* AK. 3, 4, 23, 144. H. 491. H. an. MED. m. 4, 3. Die Ergänzung im loc.: कृशानश्चान्समर्थानधनि तमान् N. 19, 12. सा हि रत्नाविधौ तयोः तमा RAGH. 11, 5. im infin.: मक्ता एव मक्ता-मर्थ साधयितुं तमाः PĀNĀT. V. 30. वयं त्यक्तुं न तानि तमाः ÇĀNTIC. 1, 4. RAGH. 8, 59. VID. 74. किंचित्तत्र विधातुमत्तमया SĪH. D. 34, 6. im comp. vorangehend: उपकारतम मित्रम् ein Freund der Einem einen Dienst zu erweisen vermag R. 4, 7, 20. अगमनतम, गमनतम 63, 13. कर्मनिर्मूलनं BHARTṢ. 3, 90. पङ्कजपरीक्षासतमे लोचने 1, 5. HIT. I, 27. VID. 240. H. 309. न सृष्ट्यादित्तमत्वम् Sch. zu KAP. 1, 95. — d) *gewogen*: न हि ते राघवा-द-न्यः तमः पुरुरे वसेत् R. 2, 33, 31. — e) *erträglich*: पतिकुले तव दास्य-मपि तमम् ÇĀK. 123. — f) *geeignet, passend, angemessen, recht, erspriess-lich*; = युक्त und कृत AK. H. an. MED. श्रुता च क्रियतां तमम् BRĀH-MAṆ. 3, 2. R. 4, 16, 50. 6, 89, 20. अथयं तु तमं वाच्यो मया त्वम् 93, 55. (स-मादेशम्) युक्तमिह चान्यत्र च तमम् 5, 47, 3. न तममिदम् MĀLAY. 28, 21. य-दत्तमम् (कर्म) Bhāg. P. 1, 14, 43. एकत्र चिरवासश्च तमो न च मतो मम MBh. 1, 6417. योषित्सु तद्वैर्यनिषेकभूमिः सैव तमा KUMĀRAS. 3, 16. R. 5, 29, 9. 66, 15. Mit dem gen. der Person: यत्तमं कैरवाणां कितं पथ्यं धृतराष्ट्र-स्यैव च MBh. 3, 252. किमेतद्: तमं गावो यन्मा नेहभिनन्द्य 13, 3863. 14, 1704. 1706. R. 1, 1, 49. 23, 3. 3, 11, 18. 41, 39. 43, 36. 4, 9, 40. 14, 22. 32, 17. 49, 14. 16. तदलं ते वनं गत्वा तमं न हि वनं तव 2, 28, 25. या तमा मे गतिर्गत्तुं गमिष्ये कृच्यवाकनम् 6, 101, 21. Bhāg. P. 6, 3, 10. KIR. 1, 45. न हि मम हरिराजसंश्रयात्तमतरमस्ति R. 4, 23, 12. भवत्सकाशमागतुं तमं मम न वेति वै MBh. 14, 1703. BRĀHMAṆ. 1, 35. R. 2, 24, 17. 47, 9. 4, 14, 19. 23, 12. *sich zu Etwas eignend, Etwas entsprechend, das geeignete Object von oder für Etwas seiend*; die Ergänzung im dat.: अयि तमं नो ग्रह-णाय welche (Kenntniß) auch von uns erfasst werden kann Bhāg. P. 3, 4, 18. स (द्विजः) तमस्तारणाय MBh. 3, 13424. im gen.: मालिनो हि यथा-दर्शो ह्यपालोकस्य न तमः । तथा विपक्वकारण आत्मा ज्ञानस्य न तमः ॥ JĀG. 3, 141. im loc.: ये ऽस्य स्त्रीदर्शने तमाः R. 4, 38, 26. im infin.: न स

तमः कोपयितुम् *er ist nicht ein solcher, den man erzürnen dürfte* R. 4, 32, 20. न सा भेदयितुं तमा *nicht kann sie abwendig gemacht werden* MBh. 1, 7423. im comp. vorangehend: तारणां 3, 13425. स्पर्शं 3, 13425. स्पर्शं 3, 13425. 27. उपभोगं 4, 4. दृष्टितमा *sehenswerth* Vikr. 84. वनवासतमाः क्रियाः R. 2, 30, 42. देशकालं 5, 49, 1. 7. आपतिं 3, 13425. *für die Zukunft sich eignend, in der Folge Nutzend versprechend* M. 7, 208. R. 4, 14, 32. अनयापतिं 3, 13425. 113. देवोशब्दतमा MĀLAY. 87. ÇĀK. 21. 164. RAGH. 1, 13, 9, 50. — 2) m. ein Bein. Çiva's (der Geduldige) Çiv. — 3) f. तमा a) *Geduld, Langmuth, Nachsicht, indulgentia* AK. H. 391. H. an. MED. वास्ये चा-ध्यात्मिके चैव दुःखे चात्पादिते वाचित् । न कुप्यति न वा कृति सा तमा परिकीर्तिता ॥ BRĀHSP. im ÇKDr. M. 6, 92. 11, 245. तमया पृथिवीसमः R. 1, 1, 19. तमा त्रयं तपस्विनाम् KĀN. 46. विपादि धैर्यमथाभ्युदये तमा BHARTṢ. 2, 53. नायं भीष्मो ऽर्हति तमाम् MBh. 2, 1554. तत्तया न तमा कार्या शत्रू-न्प्रति कथं च न 3, 1027. ब्राह्मणेषु तमान्वितः M. 7, 32. न चेत्तमामप्यकृ-मस्य कुर्याम् ÇĀNTIC. 3, 9. बर्धकौ वां विमुञ्चामि तमया R. 6, 1, 31. तमा-न्वितं शौर्यम् HIT. I, 154. R. 1, 34, 33. 34. Suçr. 1, 122, 19. BHARTṢ. 2, 70. RAGH. 1, 22. 18, 8. Personif. HARIV. 14035. PRAB. 74, 2. eine Tochter Daksha's und Gemahlin Pulaha's VP. 34. — b) *Widerstand* P. 1, 3, 33, Sch. — c) *die Erde* (vgl. 2. तम्, त्मा) AK. TRIK. 2, 1, 1. H. 936. H. an. MED. तमातले RĀGA-TAR. 3, 334. तमामण्डल PRAB. 35, 13. — d) ein Bein. der Durgā MATHURĀN. zu AK. DURGĀKĀT. und Devī-P. im ÇKDr. — e) N. pr. einer Hirtin BRAHMAV. P. im ÇKDr. — f) N. eines Baumes, *Acacia Catechu Willd.* (खदिर) RĀGĀN. im ÇKDr. — g) N. eines Metrum (s. उत्पलिन) COLEBR. Misc. Ess. II, 161 (VIII, 6). 86. — h) *Nacht* (fal- sche Form für तमा) ÇABDAR. im ÇKDr. — Vgl. अतम, अतमा.

तमणीय (von 1. तम्) adj. *was man sich gefallen lassen kann*: इदं न तमणीयं नः सर्वेषां वै प्रधर्षणम् R. 5, 79, 9.

तमवत् (von तम) adj. *der das Angemessene, Rechte kennt*: तमवतां वर (am Ende eines Çloka, also nicht etwa fehlerhaft für तमावतां) R. 5, 89, 68.

तमस्य s. u. तामास्य.

तमाचरं (तमा, instr. von 2. तम्, + चर) adj. *im Erdboden sich aufhal- tend, unterirdisch*: शर्वा अथः तमाचराः VS. 16, 57.

तमादेश (तमा + देश) m. N. eines Baumes (s. शिष्टु) RĀGĀN. im ÇKDr.

तमापति (तमा + पति) m. *Herr der Erde, König* RĀGA-TAR. 3, 126.

तमापय (von तमा), ०पयति, ०पयते Jmd (acc.) *um Verzeihung bitten*: तमापय मरुभागम् Bhāg. P. 9, 4, 71. तमापयन् 5, 10, 16. 4, 20, 2. तमाप्नुदे- वम् — तमापयधं कृदि विद्धं डुरुक्तैः 6, 6. — Vgl. caus. von 1. तम्.

तमावत् (von तमा) adj. *geduldig, langmüthig, nachsichtig* N. 21, 13. INDR. 4, 8. MBh. 1, 1733. 6672. 2, 1878 (von Elephanten). 3, 1042. 1044. R. 1, 34, 32. 4, 7, 8. Suçr. 1, 334, 20. Bhāg. P. 2, 6, 44. SĪH. D. 32, 19. एकः त- मावतो दोषो द्वितीयो नापपद्यते । यदेनं तमया युक्तमशक्तं मन्यते जनः ॥ GĀRUPA-P. 114. ÇKDr.

तमितर (wie eben) dass. AK. 3, 1, 31. H. 390.

तमितव्य (wie eben) adj. *worüber man hinwegsehen kann, was man sich gefallen lassen kann*: द्वौ मासौ तमितव्यौ मे कालो यस्ते कृतो मया । ततो शयनमारेक मामकं मदिरेतयो R. 5, 24, 7.

तमिन् (von 1. तम् oder तमा) adj. = तमावत् P. 3, 2, 141. AK. 3, 1,